Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 02-03-2006
Participants : Pal Shri Rupchand,Acharia Shri Basudeb,Vijay Krishna Shri ,Swain Shri M.A. Kharabela,Salim Shri Mohammad,Jha Shri Raghunath,Jha Shri Raghunath,Jagannath Dr. M.,Dasmunsi Shri Priya Ranjan,Singh Shri Rajiv Ranjan,Panda Shri Prabodh,Azmi Shri Iliyas,Varma Shri Ratilal Kalidas,Suman Shri Ramji Lal,Yadav Shri Ram Kripal,Singh Shri Rajiv Ranjan,Yadav Shri Ram Kripal

an>

Title : ***h Submission regarding the visit of President of USA to India.**

MR. CHAIRMAN : Please take your seats. आचार्य जी, आप सीनियर मैम्बर हैं। आप अपना स्थान ग्रहण कीजिए।

… (*Interruptions*)

SHRI TARIT BARAN TOPDAR (BARRACKPORE): Sir, the Parliament is in Session. A very important discussion has just been completed between the hon. Prime Minister and the American President, Mr. George W Bush… (*Interruptions*)

Before clarifying as to what discussion took place, before making a statement in this regard on behalf of the Government, no other items should be taken up… (*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL Sir, the Members of this very House adopted a unanimous resolution demanding an unconditional withdrawal of the US and other allied Forces from Iraq… (*Interruptions*) More than two lakh Iraqis have been killed and important deals are being signed behind the scenes against the interest of the country… (*Interruptions*) There are protests against this throughout the country. There has been a rally held in Delhi, which is unprecedented in history, against this visit of Mr. George W Bush… (*Interruptions*)

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' ये लोग विरोध करने की खानापूर्ति कर रहे हैं। इनको सरकार से सपोर्ट विदड्रा करना चाहिए। …(व्यवधान)

सभापति महोदय : ललन जी, आप अपना स्थान ग्रहण कीजिए।

Nothing, except what is being said by Shri Ramji Lal Suman, will go on record.

*(Interruptions)**

*Not Recorded

श्री रामजीलाल सुमन सभापति महोदय, अमेरिका ने इराक में जो कुछ किया, उसके खिलाफ इस सदन ने सर्वसम्मति से निन्दा प्रस्ताव पास किया। वहां लाखों बेगुनाह मारे गए। अमेरिकी राट्रपति यहां तशरीफ़ लाए हैं और जिस तरीके से सभी मान-मर्यादाओं को ताक पर रखकर उनकी आवभगत की जा रही है, उससे कहीं न कहीं देश में यह संदेश जा रहा है कि सरकार दबाव में काम कर रही है। यह बहुत गंभीर मामला है। वे यहां तशरीफ़ लाए हैं। उनसे क्या बातचीत हो रही है, देश उसको जानना चाहता है। बातचीत के क्या बिन्दु हैं, किन मुद्दों पर बात हो रही है। ...(व्यवधान) देश जानना चाहता है कि उनसे क्या बात हो रही है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats.

Nothing, except what is being said by Shri Priya Ranjan Dasmunsi, will go on record.

*(Interruptions)**

श्री बसुदेव आचार्य पहले मुझे बोलने दीजिए, फिर उनको बुलाएं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी बात रिकार्ड पर आ गई है।

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, let me have my say… (*Interruptions*)

सभापति महोदय :

श्री रघुनाथ झा,

श्री प्रबोध पांडा,

श्री राम कृपाल यादव और

श्री विजय कृण भी अपने को श्री सुमन के विचारों से संबद्ध करते हैं।

...(व्यवधान)

श्री बसुदेव आचार्य महोदय, हमारे सदन ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके इराक पर जो अमेरिकी हमला हुआ, उसकी निन्दा की थी। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats.

Nothing, except what is being said by Shri Dasmunsi, will go on record.

*(Interruptions)**

MR. CHAIRMAN: I have now called the hon. Minister of Parliamentary Affairs[snb2].

---

*Not Recorded

श्री रघुनाथ झा इराक पर जो हमला हुआ था, उस समय पूरे सदन ने एक मत से अमरीका को दोाी ठहराया था और उस समय हम लोगों ने बिहार से श्री लालू के नेतृत्व में लाठी रैली निकाली थी और कहा था कि भारत बचाओ, बुश भगाओ। आज भी हम इसी बात पर कायम हैं और इस तरह के लोगों के खिलाफ जो प्रस्ताव लाए हैं, उससे सहमत हैं।

श्री इलियास आज़मी सभापति महोदय, श्री झा को बोलने का मौका दिया है, आप हमें भी मौका दीजिए। हमारे इस महान देश में गांधी, गौतम, चिश्ती और नानक रहे हैं, लेकिन फिर भी आज का दिन तारीख में शर्मनाक लिखा जाएगा कि इन लोगों ने हमारे पार्लियामेंट से पास हुए रेज्युलेशन को नकार दिया, जो इराक के बारे में यूनानिमस रूप से पास हुआ था। अमरीका आज भी अफगानिस्तान और इराक में बैठा हुआ है। * देश का, दुनिया के ..* उसकी आवभगत हो रही है।...(व्यवधान) ...*

सभापति महोदय :आप अपना स्थान ग्रहण कीजिए। आपकी बात समाप्त हो गई है।

...(व्यवधान)

श्री इलियास आज़मी : एक बात मैं कहना चाहूंगा, आप चार हजार साल का पूरा इतिहास उठा कर देख लीजिए, दुनिया की सुपर पावर...(व्यवधान)

सभापति महोदय :हम आपको एलाव नहीं करते हैं।

श्री इलियास आज़मी : दुनिया का यह सबसे बड़ा .....*

सभापति महोदय :माननीय सदस्य नाम ले कर जो भी असंगत बात कह रहे हैं, वह प्रोसीडिंग्स का हिस्सा नहीं बनेगा।

श्री इलियास आज़मी : यह .....* को बुलाने का क्या अंजाम इन्हें भुगतना पड़ सकता है।

*Not Recorded

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' सभापति महोदय, इरान के सवाल पर आज सदन में कई माननीय सदस्यों ने अपनी राय व्यक्त की है। मैं उनके साथ अपने को संबद्ध करता हूं, क्योंकि इरान के सवाल पर भारत सरकार ने अमरीकी सरकार के आगे घुटने टेकने का काम किया है और इस देश के गौरवशाली इतिहास को नतमस्तक करने का काम किया है। कई सदस्यों को यह भी बताना चाहता हूं कि जब इराक के सवाल पर सदन ने एकमत से राय व्यक्त की थी, उस समय की तत्कालीन सरकार सदन के साथ थी, लेकिन आज की सरकार सदन की इच्छा के विपरीत है। इसलिए इस सरकार से पहले अपना समर्थन वापिस लिया जाए और बाद में अपनी राय व्यक्त की जाए।

श्री खारबेल स्वाईं महोदय, इस देश पर चाइना ने अटैक किया, इस देश पर पाकिस्तान ने अटैक किया। चीन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और राट्रपति जब हमारे यहां आए, तब किसी ने उनके खिलाफ आवाज नहीं उठाई। अमरीका हमारा मित्र राट्र है और उनके राट्रपति हमारे यहां जब-जब आते हैं तो इस भााा का प्रयोग किया जाता है। यह बहुत ही शर्मनाक है।...(व्यवधान) जब सरकार को समर्थन देते हैं, फिर उसी सरकार ...(व्यवधान) यह शर्मनाक है। पाकिस्तान को निमंत्रण दिया है, ...(व्यवधान) सरकार को स्पटीकरण देना चाहिए। उनके सहयोगी मित्र हमारे मित्र राट्र के लिए ऐसा व्य वहार क्यों करते हैं और ऐसी भााा का प्रयोग क्यों करते हैं?

DR. M. JAGANNATH Sir, the way the Indian Government behaved today in according reception to the American President has degraded the pride of India. It has violated the protocol.... (*Interruptions*)The way the agreement has been reached and the way the Americans behave is a direct infringement on the sovereignty of our country. ... (*Interruptions*) On behalf of the Telugu Desam Party, I condemn the attitude of the Government[bru3].

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा माननीय सभापति महोदय, एक सहयोगी देश के प्रेसीडेंट के विरुद्ध जिस प्रकार से ये लोग आज हल्ला मचा रहे हैं, यह ठीक नहीं है। इससे गलत मैसेज जाता है। विरोध करने के तरीके अलग-अलग होते हैं, लेकिन जिस प्रकार से इन लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है, वह ठीक नहीं है। जिस तरह की बातें कही जा रही हैं, वे बुरी हैं। वह हमारा सहयोगी देश है। हमने उसका कई मामलों में सहयोग किया है, इसलिए इस प्रकार की बातें नहीं कही जानी चाहिए। जिस प्रकार से विरोध होना चाहिए, उस प्रकार से विरोध करना चाहिए। इनके द्वारा जिस प्रकार से विरोध किया जा रहा है, वह ठीक नहीं है। एक देश का राट्रपति आज हमारे यहां आया है, वह हमारा अतिथि है और अतिथि के रूप में हमें उनका सम्मान करना चाहिए। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : वर्मा जी, आप बैठिए। आपकी बात हो गई।

श्री राम कृपाल यादव सभापति महोदय, आज अमेरिका की नीतियों के कारण पूरा देश चिन्तित है। ईरान और इराक हमारे मित्र हैं और उन्होंने हमेशा हमारा साथ देने का काम किया है। उनके बारे में हमारी पार्टी का जो स्टेंड रहा है, उससे पूरा देश वाकिफ है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : ठीक है, हो गया।

श्री राम कृपाल यादव : सर, हम तो अभी बोल ही रहे हैं। अमरीका की नीतियों के खिलाफ हमारी पार्टी आज से नहीं, हमेशा से रही है और हम लोगों ने एक बार नहीं, अनेक मौकों पर अमरीकी नीति के खिलाफ खुला प्रदर्शन करने का काम किया है। इसी संदर्भ में, हमने कुछ वर्ा पूर्व एक बड़ी रैली की थी, लेकिन उस समय कोई भी हमारे साथ नहीं आया। आज भी हम उसी नीति और सिद्धान्त से बंधे हुए हैं। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : ठीक है, रामकृपाल जी, आप बैठिए। आपकी बात, आपकी पार्टी के नेता श्री रघुनाथ झा जी ने कह दी है। वह रिकॉर्ड पर आ गई है। आपकी पार्टी की नीति के संबंध में उन्होंने बोल दिया है। आप बैठिए।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : सभापति महोदय, अमरीकी नीतियों के खिलाफ हमेशा से हमारी पार्टी रही है, आज भी है और हमारे देशवासी कभी यह बर्दाश्त नहीं करेंगे कि अमरीका जैसा देश हम पर शासन करे। ...(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम सभापति महोदय, अमरीकी नीतियों से हमारा राट्र सहमत नहीं है। हमारे देश के ज्यादातर लोग उसकी नीतियों के विरुद्ध हैं। मैं आज यह बात स्पट रूप से बताना चाहता हूं कि श्री भगत सिंह और श्री चन्द्रशेखर आजाद जैसे महान् लोगों ने देश के लिए कुर्बानियां दी हैं। ...(व्यवधान) यह देश सभी लोगों का है। देश की जो नीति और परम्परा रही है, उसे इस प्रकार ढहा दिया जाए, यह ठीक नहीं है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : यह बहुत संवेदनशील मामला है। कृपया इस प्रकार से इसे विभक्त मत कीजिए। कृपया आप अपना स्थान ग्रहण करें। अब पार्लियामेंट्री अफेयर्स मिनिस्टर बोलना चाहते हैं। आप बैठिए उन्हें बोलने दीजिए।

...(व्यवधान)

सभापति महोदय : कृपया शान्ति बनाए रखिए।

...(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रियरंजन दासमुंशी) : आप मुझे भी थोड़ा सा समय दीजिए।...(व्यवधान)

Sir, on behalf of the Government, I very respectfully appreciate the concerns expressed by respected and distinguished leaders of various political parties. Ours is the largest democracy in the world. We reflect our minds and opinions through Parliament and through rallies, which is guaranteed by our sacred Constitution. We never disrespect any expression of the people and the political system of our country in any matter. We embrace, cherish and understand the values as has been expressed. ... (*Interruptions*) If you do not allow me, how can I say anything?

In the morning, when the House assembled some Members from the UPA as well as from the NDA, including the JD (U), had reacted and protested over this particular issue and the House was adjourned up to 2 p.m. Now, it is time to take up business. On their return from the rally, hon. Members put forth mainly two points. If I have understood them correctly, the first point was that the hon. Prime Minister should have taken the House into confidence before signing or not signing any agreement. That is the basic spirit[r4].

The second one was: "Why you invited someone against whom we passed a Resolution in the House during the Iraq crisis." Our UPA Government functions with full transparency. When we invited the President of the United States of America to visit India, it was not a secret matter. It was very open. What for we invited? That has also been stated.… (*Interruptions*)

I have been in this House since 1971, if I remember correctly – you can see the record from the Parliamentary Book. On 9th August, 1971, at a very critical moment of this sub-continent, the then Soviet Foreign Minister was in the Capital. Then, our Foreign Minister Sardar Swaran Singh signed, around 1100 hours of the Clock, in the morning a Treaty called the Indo-Soviet Treaty. The House was in full Session. It was reported the very next day to the House and the debate took place in the next week.

Our Prime Minister is accountable. Our Government believes in full accountability to Parliament. He is engaged now with the dignitary. He said in the Press Intervention one thing. If you have heard him, you would recollect it. He said: "Regarding the details, I cannot explain. Parliament is in Session. I am to talk to Parliament." Therefore, naturally, our Prime Minister shall again come to Parliament and tell what had happened. This House has every right to scan it, to introspect it, to support it, if necessary, to reject it and to censure it. We have not asked any party that nobody should talk on this issue. Our views are very clear.

Therefore, once again I reiterate that the UPA Government's principle, understanding, pragmatic understanding have not been compromised. In this country, whatever may be the situation, our diplomatic arrangement with any nation on any cooperation, our sovereignty, our national interest, our historical convictions laid down by Mahatma Gandhi and Pandit Jawaharlal Nehur onwards in our foreign policy have not been compromised an inch any day.

The situation has changed now in the whole world. In the changed situation, India must find the situation, as much as it can, to protect its national interest first and to face the reality. Yes, our Government did invite a guest to this country. The country's character is this that apart form political views, ideological views, when we invite a guest to discuss business of our country, we discuss. If the outcome of the discussion had harmed the interest of the country,

not only the Parliament but also the people of India have every right to react in the manner they like.

Therefore, my humble appeal is this. I would respectfully convey the concerns expressed by the hon. Members of this House to the hon. Prime Minister today itself so that he will find his time to come to the House and to explain again the whole issue. You have every right to demand a debate, a discussion or put any question you like at that appropriate stage. My humble submission to you is this.

Sir, one allegation has been made. I do not like to take the name of the hon. Member. The allegation is that we have some understanding with the BJP on this issue. I would like to say that the Indian National Congress is second to none to fight against imperialism and colonialism right from the days of Mahatma Gandhi. On this front, please do not question our *bona fide*.... (*Interruptions*)

SHRI RAJIV RANJAN SINGH 'LALAN' : What happened today?... (*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: Shri Lalan Singh, I do not like to be educated myself by you what the Congress stands for. You may find it from your ally and the NDA.... (*Interruptions*) It is not for me. I know what you did when you were in the coalition.... (*Interruptions*)

सभापति महोदय : बैठे-बैठे टोका-टाकी मत करिये।

... (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Shri Lalan, please take your seat. He will not hear you. This is not fair. Please take your seat.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' : इतिहास गवाह है, लेकिन अब क्या हुआ? अब तो आपने हिन्दुस्तान को अमेरिका के आगे गिरवी रख दिया।...(व्यवधान)

श्री प्रियरंजन दासमुंशी : हमारी सरकार और हमारा देश किसी के पास गिरवी नहीं रखा है। साजिश आपने की है, हमने नहीं की है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Mr. Minister, please address the Chair.

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: I appeal to all the Members..... (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Salim, Please take your seat.

… (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Prof. Rasa Singh Rawat, please take your seat.

… (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record except the version of the Parliamentary Affairs Minister.

*(Interruptions)**

---

*Not Recorded

SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI: Sir, through you, I appeal to the hon. Members to listen to me. Very respectfully, I promised you that I would convey their sentiments to the hon. Prime Minister today itself. Now, I would appeal to them to allow us to transact the business today.… (*Interruptions*)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : राट्र की अखंडता पर, राट्र के स्वाभिमान पर हमारी पार्टी विश्वास रखती है। हम सिर्फ राट्रीयता के मुद्दे पर आपके साथ हैं।…(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपके मैम्बर बोल रहे हैं, कृपया बैठिये।[i5]

… (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: We will now take up the Railway Budget. Shri Nikhil Kumar Choudhary.

… (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please take your seat[R6].